

खबर संक्षेप

दहेज उत्पीड़न मामले में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने एक विवाहिता के साथ दहेज की मांग पर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक गांव निवासी सुचित्रा की शिकायत के बाद दोनों पक्षों के बीच राजीनामा कराने के प्रयास किए थे। काउंसिलिंग के बाद भी दोनों पक्षों के बीच समझौता नहीं हुआ। पुलिस ने विवाहिता की शिकायत पर 23 अगस्त को आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने राजस्थान के सुबासेड़ा निवासी अमित कुमार को गिरफ्तार कर लिया। बाद में आरोपी को पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

सड़क हादसों के आरोपी दो चालक काबू

रेवाड़ी। पुलिस ने अलग-अलग सड़क हादसों के बाद दर्ज मामलों में 2 वाहन चालकों को गिरफ्तार किया है। थाना धारूहेड़ा पुलिस ने 24 अप्रैल को दर्ज मामले में वाहन चालक यूपी के आगरा निवासी शहबाज को गिरफ्तार किया है। इस हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई थी। पुलिस ने उसका वाहन भी कब्जे में ले लिया। थाना खोल पुलिस ने 21 अगस्त को हुए हादसे के बाद दर्ज मामले में चालक राजस्थान के झुनझुन निवासी रामभगत को गिरफ्तार किया है। बाद में दोनों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

पशु चोरी के मामले में तीसरा आरोपी गिरफ्तार



कोसली। नाहड़ चौकी पुलिस ने गांव भंडंगी में हुई पशु चोरी के मामले में तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यूपी के जिला शामली के कैराना कस्बे के मोहल्ला दरबार खुर्द निवासी रिजवान उर्फ तेली को काबू किया है। पुलिस इस मामले में दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। गत 8 जनवरी को गांव भंडंगी निवासी अभय सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि 7 जनवरी की रात करीब 2:30 बजे उसके घर मे बंधी 4 भैंस चोरी करके ले गए है। पुलिस ने मामले में सिलपत दो आरोपी यूपी के जिला मुजफ्फरनगर के गांव बधरा निवासी रिजवान व जिला मुजफ्फरनगर के गांव हसैनपुर निवासी नदीम को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने शनिवार को मामले में सिलपत एक और आरोपी रिजवान उर्फ तेली को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए आरोपी को अदालत में पेश करके एक दिन के रिमांड पर लिया है। पुलिस की ओर से इस मामले में लगातार कार्रवाई की जा रही है।

डेंगू-मलेरिया के बढ़ते खतरे को देखते हुए ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में फॉगिंग की मांग

धारूहेड़ा। बरसाती मौसम के बीच डेंगू, मलेरिया व चिकिनगुनिया जैसी मच्छर जनित बीमारियों के खतरे को देखते हुए ग्रामीणों ने ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर फॉगिंग अभियान चलाने की मांग की है। सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश यादव ने प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, पंचायत विभाग और नगर निकायों से मांग की है कि जिले की सभी ग्राम पंचायतों, नगर पालिका व नगर परिषद के सभी वार्डों में फॉगिंग कराई जाए। उन्होंने कहा कि बारिश के बाद जगह-जगह जलभराव होने से मच्छरों की संख्या बढ़ रही है, जिससे डेंगू, मलेरिया और वायरल बुखार का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि फॉगिंग को केवल शिकायत मिलने के बाद की जाने वाली कार्रवाई तक सीमित न रखा जाए, बल्कि पूरे क्षेत्र में फॉगिंग अभियान चलाया जाए तथा प्रत्येक गांव और शहरी वार्ड में फॉगिंग की तारीख और समय निर्धारित कर इसकी जानकारी सार्वजनिक की जाए। सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा कि गांव खरखड़ा में पंचायत के पास फॉगिंग मशीन उपलब्ध होने के बावजूद नियमित फॉगिंग के लिए ग्रामीणों को अधिकारियों से अनुरोध करना पड़ता है। ऐसी व्यवस्था के बजाय विभागों को बीमारी फैलने का इंतजार किए बिना पहले से ही रोकथाम के ठोस कदम उठाने चाहिए। ग्रामीणों ने प्रशासन से जिले के सभी ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी वार्डों में नियमित फॉगिंग कराने, जलभराव वाले स्थानों की सफाई कराने तथा मच्छरों के लार्वा की रोकथाम के लिए अभियान चलाने की मांग की है।

आसमान साफ होते ही चढ़ा पारा, बारिश के बाद उमस भरी गर्मी का असर बढ़ा

- 7 सितंबर को आंशिक बादल छाने के बाद दो दिन तक आसमान रह सकता है साफ

हरिमूनि न्यूज ►► रेवाड़ी

तीन दिन तक हुई झमाझम बारिश के बाद मौसम साफ हो गया। तेज धूप खिलने के बाद उमस भरी गर्मी का असर फिर से तेज हो गया। कई इलाकों में तीन तक हल्की से मध्यम बारिश हुई, जिससे तापमान में काफी गिरावट दर्ज की गई थी। 7 सितंबर को आंशिक बादल छाने के बाद दो दिन तक आसमान साफ रह सकता है। सप्ताह के अंत में एक बार फिर मौसम में बदलाव देखने



रेवाड़ी। अनाजमंडी में जमा बरसात का पानी।

को मिल सकता है। गत शनिवार देर रात तक जिले के कई हिस्सों में

बूंदबांंदी से लेकर हल्की बारिश तक हुई। रविवार सुबह 8 बजे तक

चौबीस घंटों के दौरान बावल खंड में सर्वाधिक 28 एमएम बारिश दर्ज

नशे के खिलाफ जंग में युवाओं से मांगा मुख्यमंत्री ने सहयोग

नशामुक्त अभियान को नई दिशा देगा युवाओं का संकल्प: नायब सैनी

5 किलोमीटर फन रन में शामिल हजारों धावकों को पलैंग ऑफ करने के बाद सीएम ने खुद मैराथन ट्रैक पर पहुंचकर दौड़ लगाई

हरिमूनि न्यूज ►► रेवाड़ी

प्रदेश के सीएम नायब सिंह ने कहा कि प्रदेश में नशे के खिलाफ चल रही जंग में युवाओं का संकल्प बड़ी भागीदारी निभाकर नशामुक्त अभियान को नई दिशा देने का काम करेगा। सीएम रविवार सुबह राव तुलाराम स्टेडियम में ‘नशामुक्त हरियाणा, खेल युक्त हरियाणा’ थीम पर हुई रेवाड़ी मैराथन को हरी झंडी दिखाने से पहले उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने नशे की चुनौती से निपटने के लिए कार्रवाई, जागरूकता, उपचार और पुनर्वास के चारों स्तरों पर मजबूत व्यवस्था तैयार की है। सरकार का लक्ष्य युवाओं को नशे से दूर रखने के साथ-साथ उन्हें शिक्षा, खेल, कौशल, रोजगार



रेवाड़ी। मैराथन को हरी झंडी दिखाते हुए मुख्यंत्री नायब सिंह सैनी।

और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़कर सकारात्मक दिशा देना है। युवाओं को खेलों से जोड़कर नशे के खिलाफ मजबूत सामाजिक माहौल तैयार करने के उद्देश्य से आयोजित हाफ मैराथन ‘नशे से जंग, रेवाड़ी के संग’ थीम पर आयोजित हुई। उन्होंने कहा कि नशे को समस्या अचानक पैदा नहीं हुई, बल्कि लंबे समय से चली आ रही चुनौती है, जिस पर पहले अपेक्षित गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया। पिछले 12 वर्षों में प्रदेश सरकार ने इस समस्या को राजनीतिक चश्मे से नहीं, बल्कि हरियाणा के परिवारों और युवाओं के भविष्य से जोड़कर देखा है।

सरकार नशे के खिलाफ प्रभावी एवं ठोस कदम उठाते हुए युवाओं को सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशामुक्त युवा ही खुशहाल परिवार की आधारशिला है, हुनरमंद युवा ही समृद्ध हरियाणा का निर्माण करेगा और संकल्पवान युवा ही विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत की ताकत बनेगा। नायब सिंह सैनी ने युवाओं से नशे के खिलाफ जनजागरूकता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने को आह्वान करते हुए कहा कि यदि उनके आसपास कोई व्यक्ति नशे की बिक्री या ड्रग पैडलिंग जैसी

पचास 50 हजार से अधिक युवा दौड़े हाफ मैराथन के दौरान सीएम नायब सिंह सैनी ने पलैंग ऑफ मचान से 50 हजार से अधिक धावकों पर पुष्प वर्षा कर उनका उत्साह बढ़ाया। मुख्यमंत्री के इस आत्मीय स्वागत से धावकों में जोश और उमंग का माहौल बना रहा। मुख्यमंत्री ने स्वयं पुष्प वर्षा करते हुए मैराथन में भाग ले रहे हजारों युवाओं एवं अन्य प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाया। वहीं, मैराथन ट्रैक पर झुन के माध्यम से भी 50 हजार से अधिक धावकों पर पुष्प वर्षा की गई, जिससे पूरा ट्रैक उत्साह और उमंग से सराबोर नजर आया। आसमान से बरसते फूलों और जोश के साथ दौड़ते धावकों का यह दृश्य आयोजन के प्रमुख आकर्षणों में शामिल रहा।

सीएम ने बहाया धावकों का उत्साह सीएम ने स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने तथा युवाओं को इस सार्थक अभियान से जोड़ने के लिए 5 किलोमीटर फन रन में शामिल हजारों धावकों को पलैंग ऑफ करने के बाद खुद मैराथन ट्रैक पर पहुंचकर दौड़ लगाई। मुख्यमंत्री को अपने बीच दौड़ता देखकर धावकों में खासा जोश और उत्साह देखने को मिला। मैराथन में विधायक लक्ष्मण यादव, बावल के विधायक डॉ. कृष्ण कुमार, कोसली के विधायक अजित यादव तथा नलवा के विधायक रणधीर पणिहार, भाजपा जिलाध्यक्ष डा. वंदना पोपली, मैराथन की बांड एंबेसडर राफ्टमंडल खेल 2026 में पैरा एथलेटिक्स स्वर्ण पदक विजेता शर्मिला धनखड़ सहित प्रमुख रूप से मौजूद थे।

पोर्टल पर दर्ज करा सकते हैं शिकायत सीएम ने कहा कि नशा पीड़ितों की सहायता तथा ड्रग पैडलिंग की गतिविधियों को सूचना देने के लिए टोल-फ्री एंटी-ड्रग हेल्पलाइन नंबर 9050891508 शुरू किया गया है। इसके अलावा नशीले पदार्थों से संबंधित शिकायतें हमानसह पोर्टल और हेल्पलाइन नंबर 1933 के माध्यम से भी दर्ज कराई जा सकती हैं। गतिविधियों में संलिप्त है, तो वे चुप न रहें। उनकी एक सूचना किसी परिवार के चिराग को बुझने से बचा सकती है। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक युवा कम से कम 10



12

आईजीयू का युवा महोत्सव अक्टूबर अंत व नवंबर में

12

शिक्षकों को कानूनी अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति

धारूहेड़ा में नालों की सफाई पर गोलमाल की आशंका

धारूहेड़ा में 24.5 एमएम, रेवाड़ी में 10 एमएम, मनेठी में 5 एमएम, डहीना खंड में 2 एमएम और पाल्हावास खंड में 1 एमएम बारिश दर्ज की गई।

कल से साफ हो सकता आसमान मौसम विभाग के अनुसार सप्ताह के पहले दिन की शुरूआत आंशिक बादलों के बीच बूंदबांंदी या हल्की बारिश से हो सकती है। इसके बाद आसमान दो से तीन दिन तक साफ रह सकता है। पश्चिमी विक्षोभ के एक बार फिर से सक्रिय होने से सप्ताह के अंतिम दो-तीन दिनों में मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। 11 सितंबर से आसमान में बादल छाने और हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

धारूहेड़ा में नालों की सफाई पर गोलमाल की आशंका



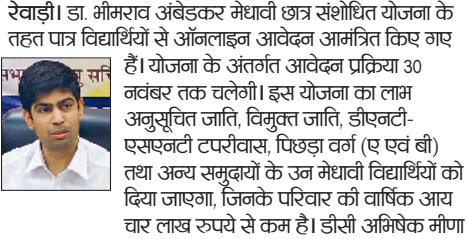
रेवाड़ी। धारूहेड़ा में सड़क पर बहता नाले का गंदा पानी।

- कस्बे में लंबे समय से बरसाती नाले गंदगी से सरोबार है, सफाई के टेंडर के बाद भी धरातल पर कुछ नहीं किया

हरिमूनि न्यूज ►► धारूहेड़ा

धारूहेड़ा कस्बे में लंबे समय से बरसाती नाले गंदगी से सरोबार है। सफाई के नाम पर टेंडर करने के बाद भी धरातल पर कुछ नहीं किया गया है। नगर पालिका धारूहेड़ा में नालों की सफाई के नाम पर फर्जीवाड़ा और गंभीर प्रशासनिक अनियमितता का मामला उजागर होने पर जला नगर आयुक्त ने कड़ा संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है और सभी भुगतानों पर रोक लगा दी है। धरातल पर सफाई कार्य किए बिना ही फर्जी बिल तैयार कर लाखों रुपये के भुगतान का प्रयास किया जा रहा था। हरियाणा सरकार के सेवानिवृत्त जनसंपर्क अधिकारी जेपी यादव ने मामले की शिकायत शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय पंचकूला को भेजी थी। शिकायत में बताया गया कि धारूहेड़ा के नंदरामपुर बास रोड, दिल्ली रोड और सोहना रोड पर नालों की वास्तव में कोई सफाई नहीं की गई है और वे गंदगी से सरोबार हैं। इसके बावजूद बिना काम पूरा हुए फर्जी तरीके से सत्यापन कराकर लगभग 12 लाख रुपये की अदायगी की प्रक्रिया शुरू की गई।

आंबेडकर मेधावी छात्र संशोधित योजना के लिए 30 नवंबर तक आवेदन



रेवाड़ी। डा. भीमराव अंबेडकर मेधावी छात्र संशोधित योजना के तहत पात्र विद्यार्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना के अंतर्गत आवेदन प्रक्रिया 30 नवंबर तक चलेगी। इस योजना का लाभ अनुसूचित जाति, विमुक्त जाति, डीएनटी-एसएनटी टपरीवास, पिछड़ा वर्ग (ए एवं बी) तथा अन्य समुदायों के उन मेधावी विद्यार्थियों को दिया जाएगा, जिनके परिवार की वार्षिक आय चार लाख रुपये से कम है। डीसी अभिषेक मीणा

ने बताया कि पात्र विद्यार्थी योजना के लिए अपना ऑनलाइन आवेदन नजदीकी सीएससी अथवा सरल केंद्र के माध्यम से कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन के लिए सरल हरियाणा पोर्टल का भी उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील करते हुए कहा कि आवेदन करते समय सभी आवश्यक दस्तावेज सही एवं स्पष्ट रूप से अपलोड करें।

चोरों का खेतों में जमकर उत्पात पांच किसानों की नोजल ले गए

डहीना। निमोठ गांव में शनिवार की रात चोरों ने खेतों में जमकर उत्पात मचाया। चोर गांव के पांच किसानों की दो दर्जन से अधिक फक्करी नोजल चोरी कर ले गए। डहीना पुलिस ने पीड़ित किसानों की शिकायत के बाद मौका मुआयना करते हुए जांच शुरू कर दी। रविवार सुबह जब किसान सुभाष अपने खेत में पहुंचा, तो उसे फक्करी सैट की 13 नोजल गायब मिलीं। आसपास पूछताछ करने पर पड़ोस के किसानों ने बताया कि चोर रात को रानू के खेत से 8, हंसराम, छोटेलाल व इंसराम के खेतों से फक्करी सैट

- निमोठ में चोरों का आतंक, दो दर्जन से अधिक नोजल चोरी

की 2-2 नोजल चोरी कर ले गए। तीन किसानों ने डहीना पुलिस चौकी को शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद केस दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। पुलिस आसपास के घरिया में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से चोरों का पता लगाने के प्रयास कर रही है। किसानों ने बताया कि चोर इस घरिया में बार-बार नोजल चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। बीते वर्ष भी कई किसानों की नोजल चोरी हो गई थी। पुलिस ने एफआईआर तो दर्ज की, लेकिन चोरों का पता आज तक नहीं लगा पाई।

हाफ मैराथन पुरुष वर्ग में मोनू व महिलाओं में पूजा ने मारी बाजी



रेवाड़ी। मैराथन के विजेताओं को पुरस्कृत करते मुख्यमंत्री।

परिणाम देखने को मिले। राव तुलाराम स्टेडियम के आसपास की सड़कों पर युवाओं की भारी मौजूद रही। 10 किलोमीटर की मैराथन में मोनू कुमार ने पहला स्थान हासिल किया, तो महिला वर्ग में पूजा ने सबसे तेज दौड़ लगाई। विजेता प्रतिभागियों को सीएम ने पुरस्कार

वितरित किए। मैराथन के दौरान पलैंग ऑफ मंच से लेकर मैराथन ट्रैक तक विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। पलैंग ऑफ मंच पर गायक नवीन पुनिया एवं सत्यन लांबा की प्रस्तुतियों ने माहौल में जोश और उमंग भरा। वहीं, मैराथन ट्रैक पर बनाए गए विभिन्न कल्चरल पॉइंट्स से

इन स्कूलों की भूमिका भी रही खास

आरपीएस विद्यालय धारूहेड़ा के बैंड, राजकीय विद्यालय हंसाका, सैनिक स्कूल, आरपीएस स्कूल रेवाड़ी, पीएम श्री राजकीय कन्या विद्यालय और आरडीएस कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा हरियाणवी नृत्य, राजकीय मॉडल प्राइमरी स्कूल और राज इंटरनेशन स्कूल, अहीर कॉलेज का ऑर्केस्ट्रा, पीएम श्री राजकीय कन्या विद्यालय रेवाड़ी, पीएम श्री स्कूल बौडिया कमालपुर, राजकीय विद्यालय बावल और राजकीय विद्यालय हंसाका के विद्यार्थियों की रागिनी तथा राजकीय मॉडल स्कूल दालियावास के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग, पुलिस की प्रदर्शनी, चरण सिंह टैम की सैंड आर्ट, आंगनवाड़ी वर्कर के हरियाणवी गीत के अलावा बीन और नगाड़ा ने बेहतरीन प्रस्तुतियों से समा बांध दिया।

विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति से धावकों में जोश भरने का कार्य किया। इसके साथ सैंड आर्ट और नशामुक्त हरियाणा का संदेश देते हुई प्रदर्शनियों ने जागरूकता का संदेश दिया। डीसी ने विधायक लक्ष्मण सिंह

यादव, अनिल यादव, डा. कृष्ण कुमार, नलवा के विधायक रणधीर पणिहार भाजपा जिलाध्यक्ष डा. वंदना पोपली को भी स्मृति चिन्ह दिए।

ये बने विजेता 10 किलोमीटर की हाफ मैराथन के पुरुष वर्ग में मोनू कुमार ने पहला स्थान हासिल कर दौड़ अपने नाम की। रेंस में दूसरे नंबर पर धर्मेन्द्र रहे तथा तीसरा पुरस्कार रामसंगरूप ने जीता। इसी मैराथन के महिला वर्ग में सरिता पाल पहले स्थान पर रही। दूसरा पुरस्कार सोनिका व तृतीय पुरस्कार नीता रावो ने मुख्यमंत्री के हाथों प्राप्त किया।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद कार्यक्रम में पूर्व मंत्री डा. बनवारी लाल, भाजपा नेता सुनील मुसेपुर, जिला प्रभारी मदन लाल गोयल, पीपीओ के स्टेट कोऑर्डिनेटर डा. सतीश खोला, पूर्व चेयरमैन डा. अरविंद यादव, नप चेयरमैन विनीता पोपल, धारूहेड़ा पालिका चेयरमैन अजय जांगडा, जिला महामंत्री कुलदीप चौहान, हिमांशु पालवाल, रमेश बंसल, पुलिस महानिरीक्षक ओपी नरवाल, आउटरीच अधिकारी पंकज मेन, एम्पॉय हेमेट मीणा, एडीसी राहुल मोदी, एसपीडी दीपिका अग्रवाल आदि रहे।



कहानी

अशोक जैन

अनबूझा प्रश्न 'स्व' और 'सवि'

सवि और स्व - दो नाम मेरे लिए परिचित हैं। इनकी कहानी को कितनी ही बार कागजों पर उतारना चाहा, हर बार कुछ पृष्ठ काले करके अधूरी ही छोड़ दी। 'स्व' के आंसुओं में भीगी और 'सवि' की मधुर खिलखिलाहट में डूबी इस व्यथा कथा को आज लिखने की कोशिश कर रहा हूँ।

मेरे सामने अभी भी दोनों के पत्र खुले पड़े हैं। हवा के एक झौंके ने उन्हें सर से उड़ा दिया। 'सवि' का पत्र छिटक कर दूर जा गया। 'स्व' का पत्र अभी भी वहीं पड़ा है --मुस्करा दिया मैं - स्व और सवि और विधि का व्यंथ। बहुत चाहा दोनों को मिलाना- लेकिन दोनों चली गई स्नेह की छाया और आंखों में शिकायत लिए। बचपन में मैंने फूल के दो पौधे लगाए थे। दोनों पास ही खड़ी थी। मैंने सरल भाव से पौधों को इंगित करते हुए कहा था- यह स्व और वह सवि। हंस दी थी दोनों। वसंत आया, फूल के दोनों पौधे बढ़ते गए और फिर पतझड़ के क्रूर शिकंजे ने अपना जौहर दिखा दिया। सवि के पौधे पर कलियां खिलीं पर स्व के पौधे पर कभी बहार न आई और न ही फूल खिले। मुझे चोट पहुंचती। मैं विचलित हो उठता और खाली समय में दोनों पौधों को सींचता, सहलाता पर स्व के उदास पौधे को जिला नहीं सका। दिन गुजरते गए - दोनों के स्वभाव में काफी अंतर था। एक शांत और गंभीर, दूसरी चंचल पर मुझे दोनों प्रिय थीं।

स्व' मेरे खामोश जीवन का सहारा थी, मेरी गंभीर प्रवृत्ति और मेरे लेखन की प्रेरणा। 'सवि' मेरे जीवन का लावण्य, मेरी मुस्कराहट। दोनों को मुझसे प्रेम था पर उनके स्नेह में भी अंतर था। 'स्व' के स्नेह में शीतलता और 'सवि' तो थी ही उष्णता। मैं अनुजाने में ही शायद 'स्व' की ओर अधिक ध्यान दिया करता। मुझे मालूम था कि उसे सहारा चाहिए, किसी के स्नेह का आवरण चाहिए। नहीं तो वह मिट जाएगी। और फिर वह इस बात से भी अनभिज्ञ नहीं थी कि मैं उसका भाई नहीं हूँ। यही कारण था कि शायद अनजाने में ही मौसी की उस अनाथ लड़की के प्रति मुझे अपार स्नेह हो गया था। 'सवि' अपनी मृगनयनी आंखों में आंसू भर कर कहती- 'भैया। तुम स्व को मुझसे अधिक चाहते हो।' मैं डांट देता। और सवि रोती हुई मां के पास चली जाती। मां के डांटने से पहले ही हम दोनों रफूचक्कर हो जाते थे। दिन- माह - वर्ष आए और चले गए। 'स्व' को कला से प्रेम था और 'सवि' को संगीत से। 'सवि' ने संगीत में एम ए किया और 'स्व' ने आर्ट में पंचवर्षीय कोर्स। मैंने एमबीबीएस किया और डाक्टर बन गया। 'स्व' की प्रेरणा का ही परिणाम था यह। हमेशा कहा करती थी 'आप डाक्टर बनो। कितनी प्रसन्नता होगी मुझे जिस दिन सैकड़ों पीड़ितों के प्राण बचा सकोगे।' मैं तब गर्व से कहूंगी - ये मेरे भैया हैं।' मैं हंस देता। स्नेह से उसके बालों



सवि ने आज भी पत्र में वही उलाहना दिया है - ‘भैया। मेरी परवाह क्यों करने लगे आप! स्व जो है’। स्व और सवि के रास्ते अलग-अलग हैं, लेकिन एक भाई की अपनी बहन के लिए तमन्ना यही होती है कि वह खुश रहे। लेकिन आज भी वह प्रश्न अनबूझा ही है कि दोनों में मुझे कौन अधिक प्रिय है। स्व के बिना सवि की हंसी हंसी नहीं लगती और सवि के बिना स्व की सिसकियों में दुख का आभास नहीं होता।

को थपकी देकर कहता- जा सो जा। या रातभर भैया के सिरहाने बैठी रहेंगी। 'ऐसा मेरा सौभाग्य कहां!' 'स्व' मुस्कुराने का असफल प्रयास करती। उस मुसकुराहट में विषाद की रेखा होती। इसके कारण से मैं अनभिज्ञ नहीं था। बचपन में ही 'स्व' के माता पिता की कार दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी और मां अपनी बहन की उस बच्ची को अपने पास ले आई थी। परन्तु 'व' जैसे जैसे बड़ी होती गई, मां उससे खिंचती चली गई। 'सवि' का बचपना करना सभी को अखरता। मासूम 'स्व' पर उसका गुस्सा उतरता। मैं कुछ भी करने का साहस नहीं जुटा पाता। मां के व्यंग बाण और सवि

की खिलखिलाहट उसे वेदना पहुंचाते। जब कभी भी अत्यंत दुखी हो जाती तो मेरे कमरे में आकर रोने लगती। मैं उसे सांत्वना देता। 'मेरी नन्हीं दीदी, रोती क्यों है?' वह रोती रहती। फिर सिसकियां धीरे-धीरे कम होने लगती। 'स्व' मां के साथ पर का सारा काम काज करवाती पर इसका श्रेय उसे कभी नहीं मिलता। एक दिन उसे बुखार था। काम नहीं कर पाई तो मां ने आंगन में खड़े हो कर कहा था- 'तो क्या मेरी फूल सी' 'सवि' काम करें।' 'मां' मैं चौख उठा था। 'यह कैसा अन्याय है। कुछ तो सोचो। वो भी तुम्हारी बेटी की तरह है।'

‘बेटी तो नहीं है न!’ मां ने और ऊंचे स्वर में कहा था। कुछ वर्ष और-- 'स्व' ने 21 वां और 'सवि' ने 20वां वर्ष पूरा किया। मां को 'सवि' के विवाह की चिंता हुई तब धीरे से मैंने कहा था 'मां। स्व बड़ी है। पहले उसकी शादी तो होने दो।' मां नाराज हो गई थी र सारा दिन 'स्व'-- 'स्व' ! जाने क्या जादू कर दिया है इस लड़की ने? 'पर जब मां शांत हुई उन्होंने मुझे बुलाकर कहा-'शरद। श्रीमती केशव का पत्र आया है। लिखा है कि उसका भाई रमन इंजीनियरिंग करके लौटा है। अपनी 'सवि' को देखने आ रहे हैंरमैंने सब सुना समझा। 'ह रहकर' स्व' की आंखों में तैरता एक अनबूझा प्रश्नचिह्न मुझे व्यथित करने लगता- भैया मेरा अपराध क्या है!! कुछ दिन बाद मां के कहने पर मैं श्रीमती केशव और रमन को लेने स्टेशन गया था। लौटने पर जब काल बैल के बजने पर 'स्व' को द्वार पर खड़े पाया तो चौंक गया। मां की सख्त हिदायत के बावजूद 'स्व' यहां कैसे! फिर ख्याल आया कि हम समय से पहले आ गये थे।

मैं रमन की ओर मुड़ा। सुन्दर चेहरे पर प्रशंसनीय भाव थे। 'स्व' को जब वस्तुस्थिति का भान हुआ तो संकोच से आंखें नीची कर के भाग गई। 'मिसेज केशव ने पूछा 'यही।' 'जी हां। यही मेरी बहन है --'बहुत बड़े सत्य को झुठला दिया था मैंने। तभी मां का तमतमाया चेहरा मेरे जहन में उभरा। मां को जब सत्य का पता चला तो मेरे सामने ही हाथ से कांच की प्लेट जमीन पर दे मारी। कांच का एक टुकड़ा छिटक कर मेरे माथे पर आ लगा। घाव तो समय रहते भर गया पर निशान आज भी मौजूद है। 'सवि' को देखकर भी रमन ने 'स्व' को पसंद किया। मां 'स्व' और रमन की शादी में सम्मिलित नहीं हुई। 'स्व' की विदाई के समय रमन के कंधे पर हाथ रखकर मैंने कहा था -'रमन बाबू! 'स्व' मेरी बहन से बढ़कर है, उसे ...'

रमन मुस्करा दिया- 'आपके स्नेह की थाह उसी दिन देख ली थी जब द्वार पर खड़ी 'स्व' को आपने अपनी बहन कहा था।' कुछ माह पश्चात 'सवि' भी चली गई। मां बहुत चाहने पर भी मुझसे नाराज नहीं रह पाई। आज सोचता हूं मैंने वही किया जो मेरा कर्तव्य था। 'सवि' ने आज भी पत्र में वही उलाहना दिया है - 'भैया। मेरी परवाह क्यों करने लगे आप! 'स्व' जो है।'

'स्व' और 'सवि' के रास्ते अलग-अलग हैं, लेकिन एक भाई की अपनी बहन के लिए तमन्ना यही होती है कि वह खुश रहे। लेकिन आज भी वह प्रश्न अनबूझा ही है कि दोनों में मुझे कौन अधिक प्रिय है। 'स्व' के बिना 'सवि' की हंसी हंसी नहीं लगती और 'सवि' के बिना 'स्व' की सिसकियों में दुख का आभास नहीं होता।

कवि कॉर्नर

गजल आशा खत्री लता



नकली जिनकी मुस्कानें हैं

नकली जिनकी मुस्कानें हैं उनके वर्क उतर जाने हैं।

दीप दिखाये जो सूरज को उनके सव भी खुल जाने हैं।

गीत गजल औ कथा कहानी सभी पीर की संतानें हैं।

पीड़ा व्यथा दर्द जखम सब आँसू में ही ढल जाने हैं।

जिनसे गीत उपजता मगरुह वो दिल कितने वीराने हैं।

रोज नयी पीड़ा है दिल में रोज नये ही अफसाने हैं।

कविता जय प्रकाश पंडेय



सुख का साम्राज्य

कभी चलती है मस्त मलय गुनगुनाती मुस्कराती उपवन के एक कोने से दूसरे कोने तक झूमती है डालें खिलते है फूल चहचहाते पक्षी उछलते कुदते जीव जंतु सुख का साम्राज्य कभी रुक जाती वही हवा बेरुखी बदहाल सबका बुरा हाल अस्त व्यस्त सब क्या ही करे अब बेहाल परेशान गुरुझो फूल फांशने पड़े धूल सब रुक गया सा कुछ लुट गया सा सब कुछ तो वही है पवन ही न बही है चले दूंदने है पवन में उसको उसको पवन में सुकुन वह पहले भी न था अब भी गायब है सब अहसासों में ॥

सोशल मीडिया में गालियों का सुपर मार्केट



व्यंग्य

रेखा शाह आरबी

सच बता रहे हैं चतुरी जी गाली अक्षर का 'ग' भी नहीं जानते थे। वह उतने ही भोले-भाले थे जितना किसी कविता में एक नवजात शिशु रहता है। जो अल्ले-ले-ले की भाषा के अलावा कुछ समझता ही नहीं है। वह तो किसी वेद, पुराण, भाषा विज्ञान को नहीं समझता है। फिर गालियों की तो बात ही क्या करनी है। चतुरी जी तो ऐसे थे कि यदि कोई कभी-कभार उनके जानने वाला गाली दे दे, तो वह चार लोगों से उसका अर्थ भावार्थ पूछते हुए चलते थे। तब जाकर उनकी समझ में आता था कि आखिर उस व्यक्ति ने उन्हें कहा क्या है। यह दुनिया तो लोगड़ी के जैसे है। पर चतुरी जी मासूम पांडा जैसे जीव थे। ऐसे जिसे उसी का मन मासूमियत से मोह ले।

उनकी मासूमियत तो म्युजियम में रखने लायक चीज थी अर्थात बहुत कोमती - दुर्लभ थी। पर हाय रे यह दुनिया और हाय रे दुनिया वाले, अनमोल चीजों की कवर करना जानते ही नहीं है। रोज उनकी मासूमियत को नीलाम करना चाहते हैं। उनकी भी अपने के जैसे रंग में ढालने का इंतजाम कर लिए। अब बताते हैं कि कैसे करना चाहते हैं। चतुरी जी ने दुनिया से जो सीखा, वह तो खैर सीखा ही, लेकिन इतना नहीं सीखा, जितना सोशल मीडिया ने उनको सिखा दिया। और उतना सीखना भी नहीं चाहिए था। एक दिन सोशल मीडिया पर अपना अकाउंट बना लिया। मजे के लिए बनाया

देश की सारी मिसाइल में उतनी आग नहीं रहती है, जितनी उनकी गालियों में रहती है। सुनने वाला सुनकर ही मर जाए। मुंह से जहर ऐसे निकलते हैं जैसे अमृत निकालते हैं। कुछ लोग तो इस कुक्कुर झौंवा के परमानेंट सदस्य होते हैं। जो रोज पहली फुरसत से पंचायत लगाते हैं। उसके बाद उस पर कुक्कुर झौंवा करने सोशल मीडिया पर बैठते हैं।

गया अकाउंट एक तरह से उनके कोचिंग क्लास में ही बदल गया। इसके सिलेबस एकदम फिक्स थे। टीचर हद दर्जे के काइयां थे। पर पूरे अव्वल दर्जे के अपने विषय के ज्ञाता थे। मजाल कि कोई उनसे जीत जाये। अब चतुरी जी कोई भगवान थोड़े ना थे। वह भी इंसान थे, उनके अंदर भी जज्बात और भावनाएं थी, तो उनके ऊपर भी प्रभाव पड़ना लाजमी था। वह कहा जाता है 'जेसी संगति वैसे विचार' हो जाते हैं, सही ही कहा गया है।

अब तो आप सब जानते ही हैं। सोशल मीडिया में रोज किसी न किसी के बीच में

निकालते हैं। कुछ लोग तो इस कुक्कुर झौंवा के परमानेंट सदस्य होते हैं। जो रोज पहली फुरसत से पंचायत लगाते हैं। उसके बाद उस पर कुक्कुर झौंवा करने सोशल मीडिया पर बैठते हैं।

कुछ लोग टैंपरेरी होते हैं। जब खाली समय रहता तो देखने के लिए चले आते हैं और कुछ दर्शक भी होते तो चतुरी जी भी दर्शक हैं। वह कहावत तो आपने सुनी ही होगी कि देखते देखते इंसान मूर्ख से होशियार बन जाता है। वैसे ही चतुरी जी इस कुक्कुर झौंवा के बीच में गालियां सुनते-सुनते गालियों के एक्सपर्ट बन चुके हैं। अपना सोशल मीडिया तो गालियों का सुपर मार्केट है।

आपकी किस किस्म की गाली चाहिए, बस आपकी डिमांड के अनुसार यहां पर सभी गालियां चलती हैं। एकदम नए-नए बांड की गालियां सोशल मीडिया पर ही सुजन पाती हैं। पुरानी से लेकर नई सभी गालियां यहां पर आपको थोक के भाव में मिलती हैं। चतुरी जी तो पक्के हो गए हैं। जिसकी भी गाली नहीं आती है, वह इस सुपर मार्केट में आकर अपने मनपसंद की गाली लेकर खरीदना भी नहीं है। वैसे ही मुफ्त में सीख सकते हैं। यही इस मार्केट की सबसे बड़ी खूबी है।

लघु कथा

कुशल प्रबंधन

सीमा और नेहा अपनी-अपनी बालकनी में खड़ी होकर बातें कर रही थीं। तभी सीमा की नजर गली से गुजरती गृहकार्य सहायिका गीता पर पड़ी। वह सीमा और नेहा के अतिरिक्त अड़ोस पड़ोस के कुछ ओर भी घरों में काम करती थी। सीमा ने उसकी पहनी हुई साड़ी की तरफ इशारा करते हुए नेहा से कहा 'यह साड़ी तुम्हारी है ना ?' हां, मैंने इसे पांच-सात बार पहन लिया था। वैसे अच्छी साड़ी है, इसके खूब चलेगो।' नेहा ने कहा। 'यह सबकी दी हुई साड़ियां तो पहन लेती है पर पता नहीं मेरी दी हुई साड़ियां क्यों नहीं पहनती जबकि मैं इसे हमेशा नई साड़ी ही देती हूँ।' सीमा ने मायूसी भरे स्वर में कहा, 'मैंने कई बार टोका भी पर यह कहती है कि मेरी साड़ियां नई होती हैं इसलिए आने-जाने में पहनती है काम में नहीं, पर कभी तो मेरे सामने भी पहनकर आए।' नेहा थोड़ी देर किसी सोच में डूब गई, जैसे सोच रही हो कि कहे या नहीं। आखिर उसने कहना शुरू किया, 'इसका तो मुझे पता नहीं पर इससे पहले मैं जहां रहती थी वहां पाप ही के खाली प्लांट में एक मजदूर परिवार रहता था। मैं उन लोगों को एकदम नए कपड़े, नए बर्तन, कंबल आदि देती रहती थी लेकिन मैंने उनको अपने लिए सामान का कभी इस्तेमाल करते हुए नहीं देखा। मैंने ज्यादा गौर भी नहीं किया।'

'एक बार मैं रिकशा से कहीं जा रही थी, तब मैंने उस मजदूर महिला को एक दिन पहले मेरा दिया हुआ कंबल एक ठेले वाले को बेचते देखा। तब मुझे समझ में आया कि ये लोग नया सामान इस्तेमाल न करके बेच देते हैं। इसके बाद मैंने सोच लिया कि अब से मैं अपने द्वारा उपयोग में लाने के बाद ही सामान दिया करूंगी ताकि ये उसे बेचने के बजाय खुद इस्तेमाल करें। इसलिए मैं गीता को एकदम नई साड़ी नहीं देती।' सीमा ने भी सोच लिया था कि वह कल गीता से इस बारे में बात करेगी। अगले दिन जब गीता आई तो सीमा ने साफ-साफ शब्दों में पूछ लिया कि क्या वह उसकी दी हुई साड़ियां बाजार में बेच देती है?

गीता इस अप्रत्याशित प्रश्न से एकदम सकपका गई। 'क्या कह रही हो दीदी, मैं ऐसा क्यों करूंगी ? आप जानना चाहती हैं ना कि मैं आपकी दी हुई साड़ियां क्यों नहीं पहनती। दरअसल बात यह है कि मेरी दो ननदें और एक छोटी बहन हैं। मुझे उन लोगों को भी उपहार स्वरूप साड़ियां देनी होती हैं इसलिए मैं खुद को मिलने वाली सभी नई साड़ियां रख लेती हूँ और वे जब भी मेरे पास मिलने आती हैं तो उन्हें भेंट स्वरूप वही साड़ियां दे देती हूँ।' मेरे पहनने के लिए तो मुझे पुरानी साड़ियां मिल ही जाती हैं। अब मैं नई साड़ी पहनूँ और फिर उनके लिए बाजार से खरीद कर लाऊँ तो मेरा बजट बिगड़ जाएगा ना।'

गीता के इस जवाब ने सीमा के सारे संशय धो डाले। सीमा ने गीता के कुशल गृह प्रबंधन के साथ रिस्तेदारी निमाने के तरीके की सराहना की। अब उसे गीता से कोई शिकायत नहीं थी।

कुछ हटकर

एआई से घबराएं नहीं करियर में बनाएं ताकत

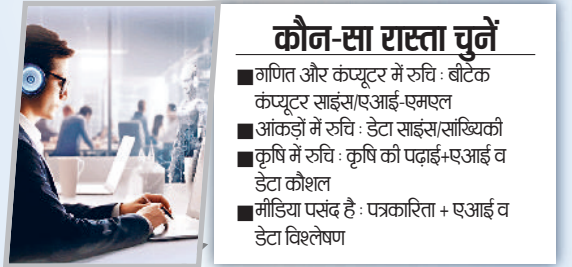
सेंट्रल डेस्क

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई अब केवल कंप्यूटर की दुनिया तक सीमित नहीं रह गई है। पढ़ाई से लेकर बैंकिंग, चिकित्सा, कृषि, मीडिया और कारोबार तक इसका इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में विद्यार्थियों के सामने करियर को लेकर एक नया सवाल खड़ा हो गया है कि एआई के दौर में किस क्षेत्र को चुना जाए। विशेषज्ञों के मुताबिक हर छात्र के लिए एआई इंजीनियर बनना जरूरी नहीं है। जरूरत इस बात की है कि विद्यार्थी अपने पर्सनल क्षेत्र की विशेषज्ञता के साथ एआई का इस्तेमाल करना सीखें। आने वाले समय में तकनीकों की समझ रखने वाले डॉक्टर, शिक्षक, वकील, पत्रकार, कृषि विशेषज्ञ और वित्त विशेषज्ञों के लिए भी नए अवसर पैदा हो सकते हैं। ऐसे में 10वीं और 12वीं के बाद विषय चुनने से लेकर उच्च शिक्षा और नौकरी तक विद्यार्थियों को बदलती जरूरतों को

कहां से करें पढ़ाई

- एनआईईएलआईटी : एआई, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस और कंप्यूटर से जुड़े पाठ्यक्रम।
- स्वयं-एनपीटीईएल : आईआईटी और अन्य संस्थानों के ऑनलाइन पाठ्यक्रम।
- आईआईटी के एआई और एआईटी : बीटैक, एमटेक और शोध के लिए बेहतर विकल्प।
- विश्वविद्यालय और निजी संस्थान : एआई, मशीन लर्निंग और डेटा साइंस में स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम।
- ऑनलाइन पाठ्यक्रम : कॉलेज की पढ़ाई के साथ एआई के छोटे प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम किए जा सकते हैं।

ध्यान में रखना होगा। सही पाठ्यक्रम, जरूरी कौशल और व्यावहारिक अनुभव के साथ एआई को करियर की चुनौती नहीं, बल्कि नई संभावना बनाया जा सकता है।



कौन-सा रास्ता चुनें

- गणित और कंप्यूटर में रुचि : बीटक कंप्यूटर साइंस/एआई-एमएल
- आंकड़ों में रुचि : डेटा साइंस/सांख्यिकी
- कृषि में रुचि : कृषि की पढ़ाई/एआई व डेटा कौशल
- मीडिया पसंद है : पत्रकारिता + एआई व डेटा विश्लेषण

प्रमुख करियर विकल्प

- एआई एवं मशीन लर्निंग : एआई इंजीनियर, मशीन लर्निंग इंजीनियर, एआई शोधकर्ता
- डेटा साइंस : डेटा वैज्ञानिक, डेटा विश्लेषक, बिजनेस विश्लेषक
- साइबर सुरक्षा : साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, सुरक्षा विश्लेषक-रोबोटिक्स : रोबोटिक्स इंजीनियर, स्वचालन विशेषज्ञ
- स्वास्थ्य तकनीक : चिकित्सा आंकड़ा विश्लेषण, स्वास्थ्य तकनीक
- कृषि तकनीक : फसल, मौसम और मिट्टी के आंकड़ों का विश्लेषण
- बैंकिंग एवं वित्त : जोखिम विश्लेषण, धोखाधड़ी पहचान, वित्तीय आंकड़ा विश्लेषण

शुरुआती वेतन कितना

- एआई/मशीन लर्निंग : लगभग 5-12 लाख रुपये सालाना
- डेटा साइंस : लगभग 4-10 लाख रुपये सालाना
- साइबर सुरक्षा : लगभग 4-8 लाख रुपये सालाना
- बैंकिंग/वित्त : लगभग 4-9 लाख रुपये सालाना
- स्वास्थ्य तकनीक : लगभग 4-9 लाख रुपये सालाना-कृषि तकनीक : लगभग 3.5-8 लाख रुपये सालाना
- मीडिया/डिजिटल क्षेत्र : लगभग 3-7 लाख रुपये सालाना

नोट : वेतन कंपनी, शहर, संस्थान, कौशल और अनुभव के अनुसार काफी अलग हो सकता है।

सावधान! अब आवाज भी हो सकती है नकली: एआई ने बढ़ाया साइबर ठगी का खतरा

■ अपनों की हूबहू आवाज में फोन कर टग मांग रहे पैसे व गोपनीय जानकारी

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

‘मां-पापा, मैं बड़ी मुसीबत में हूँ... अभी तुरंत पैसे भेज दो।’ अगर ऐसी आवाज आपके किसी अपने की हो तो शायद आप एक पल भी संदेह न करें, लेकिन साइबर अपराध की दुनिया में अब यही भरोसा ठगी का सबसे बड़ा हथियार बन सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से किसी व्यक्ति की

आवाज की हूबहू नकल यानी वॉयस क्लोन तैयार कर साइबर टग उसके परिजनों और परिचितों को फोन कर सकते हैं। आवाज इतनी वास्तविक हो सकती है कि सामने वाला व्यक्ति उसे अपने करीबी की आवाज समझकर ठगी का शिकार हो जाए। बदलती तकनीक के साथ साइबर अपराधियों द्वारा अपनाए जा रहे इस नए तरीके को लेकर पुलिस ने आमजन को सतर्क किया है। पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार ने लोगों से अपील की है कि अब केवल आवाज पहचानकर किसी

व्यक्ति की पहचान पर भरोसा न करें। विशेषकर जब फोन पर अचानक पैसे, ओटीपी, यूपीआई पिन, सोबीची या बैंक खाते से जुड़ी कोई गोपनीय जानकारी मांगी जाए तो पहले दूसरे माध्यम से पहचान की पुष्टि जरूर करें। पुलिस के अनुसार साइबर टग सोशल मीडिया, यूट्यूब, व्हाट्सएप और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध वीडियो या ऑडियो से किसी व्यक्ति की आवाज का नमूना हासिल कर सकते हैं। एआई आधारित तकनीक की सहायता से इस आवाज की

नकल तैयार की जा सकती है। इसके बाद टग उसी तरह की आवाज में बातचीत करने का प्रयास कर सकते हैं। यानी किसी व्यक्ति के सोशल मीडिया पर उपलब्ध कुछ वीडियो या सार्वजनिक बातचीत का पुष्टि जरूर करें। पुलिस के अनुसार साइबर टग सोशल मीडिया, यूट्यूब, व्हाट्सएप और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध वीडियो या ऑडियो से किसी व्यक्ति की आवाज का नमूना हासिल कर सकते हैं। एआई आधारित तकनीक की सहायता से इस आवाज की

पहले भरोसा, फिर ठगी का वार



किसी रिश्तेदार या कारोबारी की आवाज में बैंक खाते, लोन-देन या अन्य महत्वपूर्ण जानकारी हासिल करने की कोशिश की जा सकती है। सबसे खतरनाक बात यह है कि ठग पड़ित को सोचने का मौका नहीं देते। वे बीमारी, दुर्घटना, पुलिस कार्रवाई, कानूनी परेशानी या किसी अन्य आपात स्थिति का हवाला देकर तत्काल निर्णय लेने का दबाव बना सकते हैं।

खबर संक्षेप

आर्य समाज में संपन्न हुआ निष्क्रमण संस्कार

महेन्द्रगढ़। आर्य समाज में वेद प्रचार मंडल एवं आर्य समाज के संयुक्त तत्वावधान में डॉ विक्रान्त डागर की पुत्री जिनिशा का निष्क्रमण संस्कार वैदिक रीति-रिवाजों के साथ बड़े ही धूमधाम से संपन्न हुआ। यह आयोजन समाज में बेटियों के सम्मान और वैदिक संस्कृति को बढ़ावा देने के विशेष संदेश के साथ आयोजित किया गया। निष्क्रमण संस्कार का सीधा अर्थ शिशु का पहली बार घर की चौखट से बाहर प्रकृति सूर्य, चंद्रमा और शुद्ध वायु के संपर्क में आना है, ताकि वह प्राकृतिक ऊर्जा प्राप्त कर शारीरिक व मानसिक रूप से सुदृढ़ और दीर्घायु बने।

ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष सुनील सैन सम्मानित

महेन्द्रगढ़। भाजपा कार्यालय में जिला महेन्द्रगढ़ सैन समाज के प्रतिनिधिमंडल द्वारा भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर सुनील सैन का सम्मान किया गया। इस दौरान समाज के प्रतिनिधियों ने उन्हें पारंपरिक णाड़ी पहनाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। सैन समाज के प्रतिनिधियों ने इंजीनियर सुनील सैन को ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी तथा उनके सफल, गौरवपूर्ण एवं उच्चल कार्यकाल की कामना की। इस अवसर पर अटेली मंडी से पवन सैन, बाछोद मंडल अध्यक्ष भाजपा अंकित आसोदिया, जगरूप सैन, गुरवीर सैन जिला अध्यक्ष सैन समाज महेन्द्रगढ़, सतीश सैन, मनीष सैन, कर्मवीर सैन, डॉ. प्रवेश कुमार सहित सैन समाज के लोग उपस्थित रहे।

समाजसेवी मातादीन पनिहार की मदद से गुर्जर धर्मशाला में 2 करोड़ से बनेगी डिजिटल लाइब्रेरी

हरिभूमि न्यूज़ ►► नांगल चौधरी

गुर्जर विकास समिति के तत्वावधान में आयोजित मेधावी छात्र सम्मान समारोह में समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के साथ शिक्षा और सामाजिक एकजुटता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में भामाशाह उपाधि से अलंकृत राजस्थान के समाजसेवी मातादीन पनिहार मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे, जबकि विधायक मंजू चौधरी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनकी उपलब्धियों की सराहना की।

समाजसेवी मातादीन पनिहार ने कहा कि शिक्षा ही वह ताकत है, जिसके माध्यम से समाज अपने भविष्य को बेहतर दिशा दे सकता है। उन्होंने घोषणा की कि गुर्जर धर्मशाला में दो करोड़ रुपये की



नांगल चौधरी। मेधावी प्रतिभाओं को सम्मानित करते समाजसेवी मातादीन।

लागत से डिजिटल लाइब्रेरी और तकनीकी शिक्षा से संबंधित कोचिंग की व्यवस्था की जाएगी। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं की प्रतियोगी परीक्षाओं और तकनीकी शिक्षा की तैयारी के लिए बेहतर संसाधन उपलब्ध कराना है, ताकि प्रतिभाधान विद्यार्थियों को सुविधाओं के अभाव में पीछे न रहना पड़े। उन्होंने युवाओं से नशाखोरी और संगीन अपराधों से दूर रहकर शिक्षा, संस्कार और

सकारात्मक सोच को जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया। कहा कि समाज की तरक्की केवल व्यक्तिगत सफलता से नहीं, बल्कि सामूहिक प्रयास और संगठन की मजबूती से संभव है। इसलिए सभी को आपसी मतभेद भुलाकर समाजहित में एकजुट होना चाहिए। विधायक मंजू चौधरी ने कहा कि शिक्षित समाज ही विकसित राष्ट्र के निर्माण में प्रभावी भागीदारी निभा सकता है।

■ प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल



मंडल के पदाधिकारियों की मासिक बैठक मुसदीलाल के कटले में मंडल मंत्री नरेंद्र सोनी ने आवास पर मंडल अध्यक्ष हेमंत चौबे की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें जिला उपाध्यक्ष एवं मंडल प्रभारी महिपाल सिंह यादव, जिला मंत्री मनीष संधी तथा सपना गुप्ता मुख्य रूप से मौजूद रहे। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों की सेवा, सुशासन और समर्पण यात्रा को लेकर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियों पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन, पारदर्शिता और जनकल्याण के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए हैं। उनके 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन की यह यात्रा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणादायी है।

जिला उपाध्यक्ष एवं मंडल प्रभारी महिपाल सिंह यादव ने कहा कि आगामी कार्यक्रमों को केवल

जिम्मेदारी एवं अनुशासन के साथ जुटने का आह्वान किया। सपना गुप्ता ने भी महिला कार्यकर्ताओं की भागीदारी बढ़ाने तथा कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया। मंडल अध्यक्ष हेमंत चौबे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की 25 वर्ष की सुशासन यात्रा देश की राजनीति में सेवा और राष्ट्रहित की मिसाल है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर मनेौनौ पार्षद जगदीश पासी, ओमप्रकाश वाघवा, जगदीश दीवान, मंजू सोनी, राजेश शर्मा, धीरज अग्रवाल, सुरेश गुप्ता, सुरेंद्र सोनी, मंडल महामंत्री महेश सैनी, सरोज कश्यप, रितु शर्मा, सुरेश संधी, मवानी वर्मा, गोविंद सैनी, नवीन शर्मा, पारस बंसल, केशव सैनी, मानसिंह सैनी आदि मौजूद रहे।

एसपी का तबादला रद्द होने से क्षेत्र की जनता में खुशी

नारनौल। बाबू जगजीवन राम अखिल भारतीय समता आंदोलन के जिला अध्यक्ष इन्द्रवेश चौधरी ने जिले के पुलिस अधीक्षक दीपक जेवरिया के स्थानांतरण को निरस्त करने पर मुख्यमंत्री नाथ सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया है। इन्द्रवेश चौधरी ने कहा कि एसपी दीपक जेवरिया देश के 100 सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में शामिल रहे हैं और जिले में अपने कुछ माह के कार्यकाल के दौरान उन्होंने कानून-व्यवस्था को मजबूत करने तथा अपराधों पर अंकुश लगाने की दिशा में प्रभावी कार्य किया है। उनकी कार्यशैली से क्षेत्र की जनता में पुलिस प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जेवरिया के स्थानांतरण की खबर से जिले के लोगों में मायूसी का माहौल बन गया था।

महेन्द्रगढ़ से जयपुर-बहरोड़ बस चलाने की मांग

महेन्द्रगढ़। सब डिपो से बहरोड़-जयपुर तथा रेवाड़ी-गुड़गांव के लिए नियमित रोडवेज बस सेवा शुरू करने की मांग उठी है। सिंहमा पंचायत समिति चेयरमैन प्रतिनिधि राजकुमार यादव ने हरियाणा रोडवेज विभाग के उच्च अधिकारियों से इन स्टॉप पर बसों का संचालन शुरू करने की मांग की है। चेयरमैन प्रतिनिधि राजकुमार यादव ने कहा कि महेन्द्रगढ़ से वाया दौंगड़ा चौक और अटेली होते हुए बहरोड़, जयपुर तथा रेवाड़ी-गुड़गांव तक बसों का संचालन किया जाना चाहिए। इन स्टॉप पर सीधी बस सेवा उपलब्ध होने से महेन्द्रगढ़, अटेली और आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। बहरोड़, जयपुर, रेवाड़ी और गुड़गांव में शिक्षा, रोजगार, व्यापार और अन्य कार्यों के लिए क्षेत्र के लोग नियमित रूप से आवागमन करते हैं। सीधी बस सेवा नहीं होने के कारण यात्रियों को दूसरे साधनों पर निर्भर रहना पड़ता है। इससे उनका समय और पैसा दोनों अधिक खर्च होते हैं। उन्होंने कहा कि रोडवेज बस सेवा शुरू होने से विद्यार्थियों, कर्मचारियों, व्यापारियों, मजदूरों और आम यात्रियों को काफी लाभ मिलेगा।

बैठक

■ घायल व बीमार गोवंश के उपचार व सेवा को आगे बढ़ाने का संकल्प

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

श्री गोमाता युवा उपचार सेवा समिति की महत्वपूर्ण बैठक गोमाता उपचार शाला में आयोजित की गई। जिसमें समिति के विस्तार, गोसेवा से जुड़े कार्यों को और प्रभावी बनाने तथा आगामी सेवा गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों की सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस दौरान गो सेवक दीपक सर्राफ को समिति का

गोसेवा के लिए श्री गोमाता युवा उपचार सेवा समिति की कार्यकारिणी का गठन

दीपक सर्राफ को सर्वसम्मति से चुना गया समिति प्रधान

■ घायल व बीमार गोवंश के उपचार व सेवा को आगे बढ़ाने का संकल्प

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

प्रधान चुना गया। बैठक में सदस्यों ने घायल, बीमार और दुर्घटनाग्रस्त गोवंश की सेवा को प्राथमिकता देते हुए समिति की गतिविधियों को और व्यापक स्तर पर संचालित करने पर जोर दिया। नई कार्यकारिणी के गठन के साथ ही सदस्यों ने गोसंरक्षण और गोसेवा के प्रति युवाओं को अधिक से अधिक जोड़ने का संकल्प लिया।

नई कार्यकारिणी में एडवोकेट अमित चौधरी व पूर्व प्रधानाचार्य राजेश गोयल को संरक्षक बनाया गया। नीलेश संधी व सतीश भल्ला को उपप्रधान, जबकि हरीश चौबे व ऋषभ बंसल को सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। अजय सैनी और जोगिंद्र सिंगल को महासचिव नियुक्त किया गया। इसी प्रकार



नारनौल। बैठक करते गोमाता सेवा समिति सदस्य व पदाधिकारी।

फोटो: हरिभूमि

नीरज गर्ग को खजंची तथा सुरेंद्र अग्रवाल और विकास बंसल को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई। एडवोकेट गौरव चौधरी और एडवोकेट हर्षद शर्मा को कानूनी सलाहकार नियुक्त किया गया। नवनि्युक्त प्रधान दीपक सर्राफ ने नई जिम्मेदारी के लिए समिति के

सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समिति का मुख्य उद्देश्य बीमार, घायल और दुर्घटनाग्रस्त गोवंश की सेवा करना है। समिति की ओर से प्रत्येक सप्ताह घायल और बीमार गोमाता के लिए सवामणि, हरी सज्जी अथवा दलिया की व्यवस्था की जाती है। उन्होंने

वीडियो कॉल भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं

पुलिस ने लोगों को वीडियो कॉल के मामले में भी सावधानी बरतने की सलाह दी है। एआई आधारित डीपफेक तकनीक के कारण अब स्क्रीन पर दिखाई देने वाली तस्वीर या वीडियो को भी पहचान का अंतिम प्रमाण नहीं माना जा सकता। इसलिए यदि वीडियो कॉल पर भी पैसे या संवेदनशील जानकारी मांगी जाए तो दूसरे माध्यम से पुष्टि करना जरूरी है। एसपी दीपक कुमार ने कहा कि तकनीक तेजी से आगे बढ़ रही है और साइबर अपराधों इसके गलत इस्तेमाल के नए तरीके तलाश रहे हैं। एआई वॉयस क्लोनिंग के जरिए किसी परिचित की आवाज जैसी आवाज सुनकर विश्वास हासिल किया जा सकता है। इसलिए किसी भी आपात स्थिति, पैसे की मांग या गोपनीय जानकारी मांगने पर दूसरे माध्यम से पहचान की पुष्टि अवश्य करें। पुलिस ने लोगों से परिचित में विशेषकर बुजुर्गों व बच्चों को भी इस नए साइबर फ्रॉड के बारे में जागरूक करने की अपील की है। किसी सदिग्ध कॉल या ऑनलाइन ठगी की स्थिति में तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत करें तथा संबंधित पुलिस थाना या साइबर क्राइम थाना को सूचना दें।

न्यूज़ डायरी



महापंचायत को लेकर गांवों में चलाया जनसंपर्क अभियान

मंडी अटेली। जनजीवन से जुड़े विभिन्न उल्लंघन मुद्दों को लेकर 26 अक्टूबर को रोहतक के नंदल भवन, बाहर में आयोजित होने वाली प्रदेश स्तरीय किसान-मजदूर-छात्र-युवा-महिला महापंचायत की जाएगी। इसकी तैयारियों के तहत अटेली क्षेत्र के गांव ताजपुर, फतेहपुर, तोबड़ा गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस दौरान समाए आयोजित कर ग्रामीणों को महापंचायत में शामिल होने का न्यौता दिया गया। ग्रामीणों ने अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिया। समाओं को ओमप्रकाश, ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के जिला सचिव डॉ. वतपाल सिंह, जजूराम रावत, एआईयूटीयूसी के जिला प्रधान मास्टर सुबेसिंह, बिजली उपभोक्ता मंच के जिला प्रधान डॉ. राजेंद्र प्रसाद खरब ने संबोधित किया। वक्ताओं ने बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी पर रोक लगाने, किसानों को फसल लागत का डेढ़ गुना लाभकारी मुख्य देने तथा सभी फसलों की एमएसपी पर सरकारी खरीद सुनिश्चित करने की मांग उठाई।



गोगा नवमी मेले में विनय यादव का हुआ सम्मान

महेन्द्रगढ़। बाबा रामेश्वर दास खेल कमेटी द्वारा आयोजित गोगा नवमी के मेले में विनय यादव को मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का अवसर मिला। इस दौरान कमेटी के सदस्यों एवं क्षेत्र के लोगों ने उनका स्वागत करते हुए आपार सम्मान और खेह प्रदान किया। मेले में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और गोगाजी महाराज के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने आपसी भाईचारे, सामाजिक इकतता और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करने का संदेश दिया। मेले में विभिन्न गतिविधियों एवं आयोजनों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि विनय यादव ने आयोजन के लिए बाबा रामेश्वर दास खेल कमेटी के सभी सदस्यों एवं आयोजकों का आभार व्यक्त किया।



कार्यक्रम में भारी संख्या में पहुंचने का लिया संकल्प

महेन्द्रगढ़। शहर के सैनी हाई स्कूल के प्रांगण में रविवार को सैनी क्षत्रिय समा महेन्द्रगढ़ के प्रधान की अध्यक्षता में एक विशाल आम सभा का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी 17 सितंबर को आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री नाथ सिंह सैनी का भव्य स्वागत करना और महाराजा शूर सैनी चौक पर उनका प्रतिमा के अनावरण समारोह की तैयारियों की समीक्षा करना रहा। सभा में विशेष रूप से पहुंचे क्षेत्र के विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि 17 सितंबर को आयोजित होने वाली रैली और मूर्ति अनावरण समारोह में सैनी समाज की ज्यादा से ज्यादा संख्या में उपस्थिति होनी चाहिए ताकि कार्यक्रम को यादगार और भव्य बनाया जा सके। विधायक एवं पदाधिकारियों के आह्वान पर उपस्थित सभी सैनी समाज के लोगों ने हाथ उठाकर अपनी एकजुटता का परिचय दिया।



शिविर में 211 मरीजों ने करवाई जांच

नारनौल। सेवा भारती हरियाणा प्रदेश शाखा नारनौल एवं महादेव प्रसाद धर्मार्थ ट्रस्ट के सहयोग से गेटवेल हॉस्पिटल की ओर से कुटुंब पैकेज महत्वा चौक में निःशुल्क चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। डॉ. उमेश गुप्ता मैनिजिंग डायरेक्टर गेटवेल हॉस्पिटल के साथ-साथ प्रसिद्ध विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने 211 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की। इस दौरान डॉ. कुपान्त शर्मा जनरल मैडिसिन विशेषज्ञ, डॉ. निशा रानी एवं प्रकृति रोग विशेषज्ञ, डॉ. संदीप नाक-कान-नासा रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, डॉ. विक्रम हड्डी रोग विशेषज्ञ, डॉ. आदित्य व डॉ. अश्वनी हृदय एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ ने मरीजों की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया।

वरिष्ठ सदस्यों को भी मिली जिम्मेदारी

दीपक सर्राफ ने कहा कि समिति का एक प्रमुख उद्देश्य गोमाता के संरक्षण और सेवा के प्रति युवाओं को जागरूक करना भी है। युवाओं को सेवा कार्यों से जोड़कर गोवंश के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का प्रयास किया जाएगा। बैठक के दौरान समिति की कार्यकारिणी में कई वरिष्ठ एवं सक्रिय सदस्यों को भी शामिल किया गया। इनमें निपेढ़ संधी, तन्मय गोयल, अरुण अग्रवाल, अनित गुप्ता, अविनाश गोयल, मंगल तातार, सोरव गोयल, अमिषेक बंसल, राकेश गर्ग, लोकेश बरोल, महेश गुप्ता, रोमी बंसल, अंकित, गौरव, विराग संधी और सोनू सहित अन्य सदस्यों को सदस्यता दी गई।

